

डैनियल की पुस्तक - संख्या छियालीस

विश्राम और तरोताज़गी

Jeff Pippenger

2024-01-10

वह किसे ज्ञान सिखाए? और किसे वह उपदेश की समझ दे? क्या उन्हें जो दूध से छुड़ाए गए और स्तनों से उतारे गए हैं? क्योंकि उपदेश पर उपदेश, उपदेश पर उपदेश; पंक्ति पर पंक्ति, पंक्ति पर पंक्ति; यहाँ थोड़ा, और वहाँ थोड़ा: क्योंकि हकलाते होंठों और पराई भाषा में वह इस लोगों से बोलेगा। जिनसे उसने कहा, यह वह विश्राम है जिसके द्वारा तुम थके-मांदे को विश्राम दे सकते हो; और यह तरोताज़गी है; तौभी उन्होंने सुनना नहीं चाहा। परन्तु उनके लिए यहोवा का वचन हुआ: उपदेश पर उपदेश, उपदेश पर उपदेश; पंक्ति पर पंक्ति, पंक्ति पर पंक्ति; यहाँ थोड़ा, और वहाँ थोड़ा; ताकि वे जाकर पीठ के बल गिरें, और टूट जाएँ, और फँसें, और पकड़े जाएँ। इसलिए, हे ठट्टा करने वालों, जो यरूशलेम में इस प्रजा पर प्रभुत्व करते हो, यहोवा का वचन सुनो। क्योंकि तुमने कहा है, हमने मृत्यु के साथ वाचा बाँधी है, और अधोलोक के साथ हमारी संधि हुई है; जब वह बाढ़ की तरह बहता हुआ कोड़ा होकर गुजरेगा, तो वह हमारे पास न आएगा; क्योंकि हमने झूठ को अपनी शरण बनाया है, और असत्य के नीचे हम छिपे हुए हैं। इस कारण परमेश्वर यहोवा यों कहता है: सुनो, मैं सियोन में नेव के लिए एक पत्थर रखता हूँ, एक परखा हुआ पत्थर, एक बहुमूल्य कोने का पत्थर, दृढ़ नेव; जो विश्वास करता है वह घबराएगा नहीं। मैं न्याय को नाप की डोरी पर, और धर्म को सीसे के तूल पर ठहराऊँगा; और ओले झूठ की शरण को उखाड़ फेंकेँगे, और जल छिपने की जगह को बहा देंगे। और तुम्हारी मृत्यु के साथ की वाचा निरस्त कर दी जाएगी, और अधोलोक के साथ का तुम्हारा समझौता स्थिर न रहेगा; जब वह बाढ़ की तरह बहता हुआ कोड़ा होकर गुजरेगा, तब तुम उसके द्वारा रौंदे जाओगे। यशायाह 28:9-18.

1863 में, यरूशलेम पर शासन करने वाले उपहास करने वाले पुरुषों ने मिलर के रत्नों को ढँकने और उनकी जगह जाली सिक्के और रत्न रखने का क्रमिक काम शुरू किया। ऐसा करते हुए उन्होंने "मृत्यु के साथ एक वाचा" की, उन्होंने "झूठ" को अपनी "शरण" बनाया और "असत्य" के "नीचे" "छिप" गए। लेकिन उन्हें "विश्राम" और "ताज़गी" के अंतिम दिनों के संदेश से परखा जाना था, जिसके बारे में पतरस "प्रेरितों के काम" की पुस्तक में बोलता है।

परन्तु जो बातें परमेश्वर ने अपने सब भविष्यद्वक्ताओं के मुख से पहले से बता दी थीं, कि मसीह दुःख उठाएगा, उन्हें उसने इसी प्रकार पूरा किया है। इसलिए मन फिराओ और लौट आओ, ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ, और प्रभु की उपस्थिति से विश्रांति के समय आएँ; और वह यीशु मसीह को भेजे, जिसका प्रचार पहले तुम्हें किया गया था; जिसे स्वर्ग तब तक अपने पास रखेगा, जब तक कि सब वस्तुओं की बहाली का समय न आ जाए, जिसके विषय में परमेश्वर ने संसार के आरम्भ से अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के मुख से कहा है। क्योंकि मूसा ने सचमुच पितरों से कहा था, 'प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिये मेरे समान एक भविष्यद्वक्ता उठाएगा; जो कुछ वह तुमसे कहे, उसकी सब बातों को सुनना।' और ऐसा होगा कि हर एक व्यक्ति जो उस भविष्यद्वक्ता की नहीं सुनेगा, वह लोगों में से नाश कर दिया जाएगा। हाँ, और शमूएल से लेकर उसके बाद आने वाले सब भविष्यद्वक्ताओं तक, जितनों ने भी कहा है, उन सब ने भी इन्हीं दिनों के विषय में पहले से बताया है। प्रेरितों के काम 3:18-24.

पतरस यह बताता है कि सभी भविष्यद्वक्ताओं ने ताज़गी के समय और अंतिम वर्षा के विषय में कहा है, और यशायाह उस वर्ग की पहचान करता है जो अन्वेषण न्याय के समापन पर होने वाले अंतिम ताज़गी के समय को, जब पाप मिटाए जा रहे होते हैं और अंतिम वर्षा बरस रही होती है, अस्वीकार करता है। उस समय, यशायाह जिस "मृत्यु की वाचा" बाँधने वाले वर्ग का उल्लेख करता है, वह पतरस के अनुसार "लोगों में से नाश किया जाएगा।" सिस्टर वाइट अक्सर यशायाह के इसी विश्राम और ताज़गी के समय को संबोधित करती हैं।

“जो स्वर्गदूत तीसरे स्वर्गदूत के संदेश की घोषणा में सम्मिलित होता है, वह अपने तेज से सारी पृथ्वी को प्रकाशित कर देगा। यहाँ एक ऐसे कार्य की भविष्यवाणी की गई है जिसका विस्तार विश्वव्यापी होगा और जिसकी शक्ति असाधारण होगी। 1840-44 का आगमन आंदोलन परमेश्वर की सामर्थ्य का एक गौरवशाली प्रकटीकरण था; पहले स्वर्गदूत का संदेश संसार के प्रत्येक मिशनरी केंद्र तक पहुँचाया गया, और कुछ देशों में ऐसा महान धार्मिक जागरण देखा गया जैसा सोलहवीं शताब्दी के धर्म-सुधार के बाद किसी भी देश में नहीं देखा गया था; परन्तु ये सब तीसरे स्वर्गदूत की अंतिम चेतावनी के अधीन होने वाले उस महान सामर्थ्यशाली आंदोलन द्वारा अतिक्रमित किए जाएंगे।”

“यह कार्य पिन्तेकुस्त के दिन के समान होगा। जैसे सुसमाचार के आरम्भ में पवित्र आत्मा के उण्डले जाने के समय ‘पहिली वर्षा’ दी गई थी, ताकि बहुमूल्य बीज का अंकुरण हो, वैसे ही उसके समापन पर ‘पिछली वर्षा’ फ़सल के पकने के लिए दी जाएगी। ‘तब हम जानेंगे, यदि हम यहोवा को जानने में लगे रहें; उसका प्रगट होना भोर के समान निश्चित है; और वह हमारे पास वर्षा के समान आएगा, उस पिछली और पहिली वर्षा के समान जो पृथ्वी पर होती है।’ होशे 6:3। ‘हे सिख्योन के सन्तानो, मगन हो, और अपने परमेश्वर यहोवा में आनन्दित हो; क्योंकि उसने तुम्हें उचित परिमाण में पहिली वर्षा दी है, और वह तुम्हारे लिये वर्षा बरसाएगा, पहिली वर्षा और पिछली वर्षा।’ योएल 2:23। ‘अन्तिम दिनों में, परमेश्वर कहता है, मैं अपने आत्मा में से सब प्राणियों पर उण्डेलूँगा।’ ‘और ऐसा होगा कि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।’ प्रेरितों के काम 2:17, 21।”

सुसमाचार का महान कार्य इस प्रकार समाप्त नहीं होगा कि परमेश्वर की शक्ति का प्रगटीकरण उसके आरंभ में जितना था, उससे कम हो। सुसमाचार के आरंभ में ‘पूर्व वर्षा’ के उण्डले जाने में जो भविष्यवाणियाँ पूरी हुई थीं, वे उसके अंत में ‘अंतिम वर्षा’ में फिर से पूरी होंगी। यही वे ‘ताज़गी के समय’ हैं, जिनकी ओर प्रेरित पतरस ने दृष्टि रखी, जब उसने कहा: ‘इस कारण मन फिराओ और परिवर्तित हो जाओ, ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ, जब प्रभु की उपस्थिति से ताज़गी के समय आएँगे; और वह यीशु को भेजेगा।’ प्रेरितों के काम 3:19, 20। महान विवाद, 611।

यह परीक्षण 'पंक्ति पर पंक्ति' के रूप में दर्शाई गई अंतिम वर्षा की पद्धति पर आधारित है। परीक्षण का संदेश उन पहरेदारों द्वारा दिया जाता है जो 'परायी भाषा' बोलते हैं और जिन्हें 'हकलाते होंठ' वाले के रूप में दर्शाया गया है। अंतिम वर्षा का यह परीक्षण-संदेश ऐसे पहरेदारों द्वारा दिया जाएगा जिन्हें अपधर्मी प्रोटेस्टेंटवाद और कैथोलिकवाद की पद्धति में प्रशिक्षित नहीं किया गया था—ऐसी पद्धति जिसे एडवेंटवाद ने अपने विद्रोह के इतिहास भर अपनाया है।

वह समय दूर नहीं जब हर आत्मा की परीक्षा होगी। हम पर पशु का चिन्ह स्वीकार कराने का दबाव डाला जाएगा। जो लोग धीरे-धीरे सांसारिक माँगों के आगे झुकते गए हैं और सांसारिक रीति-रिवाजों के अनुरूप होते गए हैं, वे उपहास, अपमान, कारावास की धमकियों और मृत्यु को सहने के बजाय, विद्यमान सत्ताओं के आगे झुक जाना कोई कठिन बात नहीं समझेंगे। यह संघर्ष परमेश्वर की आज्ञाओं और मनुष्यों की आज्ञाओं के बीच है। इसी समय कलीसिया में सोना अशुद्धता से अलग हो जाएगा। सच्ची धर्मपरायणता उसके बाहरी रूप और बनावटी चमक से स्पष्ट रूप से अलग पहचानी जाएगी। कई ऐसे सितारे, जिनकी तेजस्विता की हमने प्रशंसा की है, तब अंधकार में बुझ जाएँगे। भूसा बादल की तरह हवा से उड़ा ले जाया जाएगा, यहाँ तक कि उन स्थानों से भी, जहाँ हमें केवल भरपूर गेहूँ के खलिहान दिखाई देते हैं। जो सब पवित्रस्थान के आभूषण तो धारण करते हैं, पर मसीह की धार्मिकता से वस्त्रित नहीं हैं, वे अपनी ही नग्नता की लज्जा में प्रकट होंगे।

जब फलरहित वृक्षों को भूमि के बेकार बोझ समझकर काट डाला जाएगा, जब असंख्य झूठे भाइयों को सच्चों से अलग पहचान लिया जाएगा, तब जो छिपे हुए हैं वे प्रकट होंगे और होशाना के जयघोष के साथ मसीह के ध्वज तले पंक्तिबद्ध हो जाएंगे। जो भयभीत और स्वयं पर अविश्वासी रहे हैं, वे मसीह और उसके सत्य के पक्ष में खुलेआम खड़े होंगे। कलीसिया के सबसे निर्बल और द्विधाग्रस्त भी दाविद के समान—करने और साहस करने को तत्पर—हो जाएंगे। परमेश्वर की प्रजा के लिए रात जितनी गहरी होगी, तारे उतने ही दीप्तिमान होंगे। शैतान विश्वासियों को कठोरता से सताएगा; परन्तु यीशु के नाम में वे विजेताओं से भी बढ़कर ठहरेंगे। तब मसीह की

कलीसिया 'चन्द्रमा के समान सुन्दर, सूर्य के समान उज्ज्वल, और ध्वजाओं सहित सेना के समान भयानक' प्रतीत होगी।

मिशनरी प्रयासों से बोल जा रहे सत्य के बीज तब अंकुरित होंगे, खिलेंगे और फल देंगे। ऐसी आत्माएँ सत्य को ग्रहण करेंगी, जो क्लेश सहेंगी और इस बात के लिए परमेश्वर की स्तुति करेंगी कि उन्हें यीशु के लिए कष्ट उठाने का अवसर मिला है। 'संसार में तुम्हें क्लेश होगा; परन्तु ढाढ़स रखो, मैंने संसार पर जय पाई है।' जब उमड़ती हुई विपत्ति पृथ्वी पर से होकर गुज़रेगी, जब पंखा यहोवा के खलिहान को शुद्ध कर रहा होगा, तब परमेश्वर अपनी प्रजा का सहायक होगा। शैतान के विजय-चिह्न चाहे ऊँचे पर ऊँचे क्यों न किए जाएँ, तौभी शुद्ध और पवित्रों का विश्वास हतोत्साहित नहीं होगा।

एलियाह ने एलीशा को हल से बुला लिया और उस पर अपने अभिषेक का चोगा डाल दिया। इस महान और गंभीर कार्य के लिए बुलाहट विद्या और पद वाले पुरुषों के समक्ष रखी गई; यदि वे अपनी ही दृष्टि में छोटे बने रहते और प्रभु पर पूर्णतः भरोसा करते, तो वह उन्हें अपनी ध्वजा को विजयी रीति से विजय तक ले जाने का सम्मान देता। परन्तु वे परमेश्वर से अलग हो गए, संसार के प्रभाव के आगे झुक गए, और प्रभु ने उन्हें अस्वीकार कर दिया।

बहुतों ने विज्ञान का महिमामंडन किया और विज्ञान के परमेश्वर को नज़र से ओझल कर दिया। कलीसिया के सबसे शुद्ध समयों में ऐसा नहीं था।

"हमारे समय में परमेश्वर ऐसा कार्य करेगा जिसकी आशा बहुत कम लोग करते हैं। वह हमारे बीच उन लोगों को उठाकर सम्मानित करेगा जिन्हें वैज्ञानिक संस्थाओं के बाहरी प्रशिक्षण की अपेक्षा अपने आत्मा के अभिषेक से अधिक सिखाया गया है। इन संस्थाओं को तुच्छ समझना या दोष देना नहीं चाहिए; वे परमेश्वर द्वारा ठहराई गई हैं, पर वे केवल बाहरी योग्यताएँ ही प्रदान कर सकती हैं। परमेश्वर यह प्रकट करेगा कि वह विद्वान, आत्म-महत्व से भरे नश्वर मनुष्यों पर निर्भर नहीं है।" टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 81, 82.

"उमड़ती हुई विपत्ति" रविवार के कानून का एक प्रतीक है, जो प्रकाशितवाक्य ग्यारह के महान भूकंप की घड़ी पर शुरू होता है। यह रविवार के कानून के क्रमिक परीक्षण-काल का प्रतिनिधित्व करता है।

"विदेशी राष्ट्र संयुक्त राज्य अमेरिका के उदाहरण का अनुसरण करेंगे। यद्यपि वह अग्रणी है, तौभी वही संकट हमारे लोगों पर संसार के सब भागों में आएगा।" टेस्टिमोनीज़, खंड 6, 395।

रविवार के कानून के ठीक पहले, मिलर के स्वप्न के नकली सिक्के खिड़की से बाहर झाड़ दिए जाते हैं, जैसे लाओदीकियाई एडवेंटिस्टों को प्रभु के मुख से उगल दिया जाता है। तब कलीसिया को एक ध्वज के समान ऊँचा उठाया जाता है, "चन्द्रमा के समान सुन्दर, सूर्य के समान उज्ज्वल, और ध्वजाओं से युक्त सेना के समान भयानक"। यशायाह का वह संदेश, जो "दूसरी भाषा" और "हकलाते होंठ" से निकलता है, उनका प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें उठाया और महिमामंडित किया जाता है, और जिन्हें वैज्ञानिक संस्थानों के बाहरी प्रशिक्षण के बजाय उसकी आत्मा के अभिषेक से सिखाया जाता है। एप्रैम के पियक्कड़ "रेखा पर रेखा" की परीक्षा में असफल हो जाते हैं, क्योंकि उनके बुद्धिमानों की बुद्धि जाती रही है। उनके लिए भविष्यवाणी एक मुहरबंद पुस्तक के समान हो गई है।

वह इतिहास, जिसके विषय में पतरस के अनुसार शमूएल से लेकर सब भविष्यद्वक्ताओं ने कहा है, उन एडवेंटिस्टों के विनाश के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करता है जो 'अंतिम वर्षा' के संदेश को अस्वीकार करते हैं; परन्तु रविवार के कानून के समय उन्हें शारीरिक मृत्यु नहीं सहनी पड़ती, बल्कि आत्मिक मृत्यु—जो अनन्तकाल के लिए खोए जाने की वास्तविकता के बोध के साथ होती है—जैसा कि मूर्ख कुँवारियाँ दर्शाती हैं, जो आमोस की पुस्तक में इस तथ्य पर जागती हैं कि वे खो गई हैं।

देखो, वे दिन आते हैं, प्रभु यहोवा की यह वाणी है, जब मैं देश में अकाल भेजूँगा; रोटी का अकाल नहीं, और न पानी की प्यास, परन्तु यहोवा के वचनों के सुनने का अकाल। और वे एक समुद्र से दूसरे समुद्र तक, और उत्तर से

पूर्व तक भटकते फिरेंगे; वे यहोवा के वचन को खोजने के लिए इधर-उधर दौड़ेंगे, परन्तु उसे न पाएँगे। उस दिन सुंदर कुमारियाँ और जवान पुरुष प्यास के कारण मूर्छित हो जाएँगे। जो सामरिया के पाप की शपथ खाते हैं, और कहते हैं, हे दान, तेरा देवता जीवित है; और, बेशेबा का मार्ग जीवित है; वे भी गिर पड़ेंगे, और फिर कभी न उठेंगे।
आमोस 8:11-14.

"उफनते कहर" के प्रतीक के माध्यम से रविवार के कानून के समय का उल्लेख करने के बाद, ईशायाह उन लोगों के लगातार भय और चिंता को संबोधित करता है जिन्होंने मृत्यु के साथ वाचा की है।

और मृत्यु के साथ तुम्हारी संधि निरस्त कर दी जाएगी, और नरक के साथ तुम्हारा समझौता कायम न रहेगा; जब प्रबल विपत्ति बाढ़ की तरह होकर गुज़रेगी, तब तुम उसी से रौंदे जाओगे। उसके निकलते ही वह तुम्हें पकड़ लेगी; क्योंकि वह प्रति सुबह, दिन में भी और रात में भी, होकर गुज़रेगी; और उसके समाचार को समझना ही यातना होगा। यशायाह 28:18, 19.

मिलर के रत्नों द्वारा दर्शाई गई ज्ञान की वृद्धि की समझ तब उपलब्ध नहीं होगी, लेकिन "प्रगतिशील रविवार कानून संकट" की रिपोर्ट की "समझ" यह पहचान लेगी कि उनकी "मृत्यु के साथ की वाचा" निरस्त कर दी गई है। जो लोग "असत्य के नीचे" छिपे रहे हैं, वे तब यह पहचानेंगे कि "प्रभु परमेश्वर" ने "सिय्योन में नींव के लिए एक पत्थर, परखा हुआ पत्थर, बहुमूल्य कोने का पत्थर, दृढ़ नींव" रखा था, पर तब बहुत देर हो चुकी होगी। इतिहास के दौरान आगे बढ़ते हुए जिन असत्यताओं के नीचे वे छिपे रहे हैं, वे तब बहा दी जाएँगी। उन में से अनेक स्पष्ट झूठ, उलाई नदी के दर्शन में आसानी से पहचाने जा सकते हैं।

मिलराइट्स ने, दानिय्येल अध्याय दो की अपनी समझ के अनुरूप, दानिय्येल अध्याय आठ में उल्लिखित राज्यों की पहचान अध्याय सात में दर्शाए गए उन्हीं राज्यों के रूप में की। दोनों अध्यायों के बीच का अंतर यह है कि अध्याय सात राज्यों के राजनीतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है, और अध्याय आठ राज्यों के धार्मिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। इसी कारण दानिय्येल का अध्याय आठ पवित्रस्थान की शब्दावली में प्रस्तुत किया गया है।

दानिय्येल अध्याय आठ राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए पवित्रस्थान के प्रतीकों का प्रयोग करता है, परन्तु अध्याय में प्रस्तुत हर पवित्रस्थान प्रतीक दूषित है; इस प्रकार मसीह के सच्चे धर्म और शैतान के झूठे धर्म के बीच भेद स्पष्ट होता है। मेंढा ऐसा पशु था जिसका उपयोग परमेश्वर के पवित्रस्थान में भेंट के रूप में किया जाता था, परन्तु पवित्रस्थान में दी जाने वाली हर भेंट निर्दोष होनी चाहिए थी। अध्याय आठ का मेंढा परमेश्वर के पवित्रस्थान में भेंट के रूप में प्रयुक्त होने से अयोग्य ठहराया गया था, क्योंकि उसके दोनों सींग एक जैसे नहीं थे।

तब मैंने अपनी आँखें ऊपर उठाई, और देखा, और देखो, नदी के सामने दो सींगों वाला एक मेंढा खड़ा था; और वे दोनों सींग ऊँचे थे; परन्तु एक दूसरे से ऊँचा था, और जो ऊँचा था वह बाद में उगा। दानिय्येल 8:3.

दो अलग-अलग लंबाई के सींगों वाला मेंढा परमेश्वर के पवित्रस्थान में बलि के रूप में स्वीकार्य नहीं होता, परन्तु यह प्रतीक परमेश्वर के सच्चे धर्म का नहीं, बल्कि शैतान के नकली, मूर्तिपूजा वाले धर्म का है। अगला राज्य एक बकरे द्वारा दर्शाया गया था, जो भी पवित्रस्थान में चढ़ाई जाने वाली बलि में शामिल है, परन्तु फिर भी वह बकरा दोषयुक्त था, क्योंकि उसकी दोनों आँखों के बीच एक सींग था, और उसमें पवित्रस्थान की बलि के लिए अपेक्षित पूर्ण सममिति का अभाव था।

और जब मैं विचार कर रहा था, तो देखो, पश्चिम से, समस्त पृथ्वी के ऊपर से, एक नर बकरा आया, और वह भूमि को छूता नहीं था; और उस बकरे की आँखों के बीच एक प्रमुख सींग था। दानिय्येल 8:5.

अंततः बकरे का सींग टूट गया और उससे चार सींग निकल आए, जिससे वह भी ईश्वर के पवित्रस्थान में भेंट के योग्य नहीं रहा।

इसलिए वह बकरा अत्यन्त महान हो गया; और जब वह बलवान हुआ, तब वह बड़ा सींग टूट गया; और उसकी जगह चार प्रमुख सींग उग आए, जो आकाश की चारों दिशाओं की ओर थे। दानिय्येल 8:8.

दानिय्येल का आठवां अध्याय, बाबुल के राज्य को किसी प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किए बिना आरंभ होता है। बाइबिल की भविष्यवाणी का पहला राज्य बाबुल, अध्याय दो और अध्याय सात की दो साक्षियों पर पहले ही बाइबिलीय रूप से स्थापित किया जा चुका है; परंतु आठवें अध्याय में बाबुल को जानबूझकर छिपाया गया है ताकि इस भविष्यसूचक विशेषता पर जोर दिया जाए कि पोपतंत्र को एक घातक घाव लगता है जो अंततः चंगा हो जाता है। अपने घातक घाव से लेकर उसके चंगे होने तक की अवधि में, भविष्यवाणी में पोपतंत्र छिपा या भुला दिया जाता है। यह छिपाव नबूकदनेस्सर का राज्य हटाए जाने और बाद में फिर बहाल किए जाने से भी दर्शाया गया था।

दानिय्येल अध्याय आठ दूसरे राज्य के प्रत्यक्ष प्रतीक के साथ आरंभ होता है: एक मेंढे का परिचय, जो मादी और फ़ारस के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है; इसके बाद एक भ्रष्ट बकरा आता है, जो यूनान के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। फिर उन चार दिशाओं में से एक से, जिनमें यूनान के चार सींग टूटकर बँट गए थे, दानिय्येल एक छोटा-सा सींग देखता है, जो चौथे राज्य रोम का प्रतिनिधित्व करता है। यह छोटा सींग रोम के दोनों चरणों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनका वर्णन चार पदों में किया गया है। मूर्तिपूजक रोम का चित्रण छोटे सींग के पुंलिंग रूप में है, और पापसी रोम का चित्रण छोटे सींग के स्त्रीलिंग रूप में।

और उनमें से एक से एक छोटा-सा सींग निकला, जो दक्षिण की ओर, पूर्व की ओर, और मनोरम देश की ओर अत्यन्त बड़ा होता गया। और वह बढ़कर आकाश की सेना तक पहुँच गया; और उसने उस सेना में से और तारों में से कुछ को पृथ्वी पर गिरा दिया और उन्हें रौंद डाला। हाँ, उसने अपने आप को सेना के प्रधान तक भी बड़ा किया, और उसके द्वारा नित्य का बलिदान हटा दिया गया, और उसका पवित्रस्थान गिरा दिया गया। और अपराध के कारण नित्य बलिदान के विरुद्ध उसे एक सेना दी गई, और उसने सत्य को पृथ्वी पर गिरा दिया; और वह करता रहा, और सफल हुआ। दानिय्येल 8:9-12.

रोम का छोटा सींग, जो नौवें पद में वृत्तांत में आता है, उसे पुंलिंग में दर्शाया गया है, और फिर दसवें पद में छोटे सींग को स्त्रीलिंग में दर्शाया गया है, फिर ग्यारहवें पद में छोटे सींग को पुंलिंग में दर्शाया गया है, और फिर बारहवें पद में छोटे सींग को एक बार फिर स्त्रीलिंग में दर्शाया गया है।

दानियेल अध्याय आठ पहला राज्य छिपाता है; फिर अगले दो राज्यों को पवित्रस्थान के भ्रष्ट पशुओं के रूप में दर्शाया गया है, और चौथे राज्य को एक सींग द्वारा दर्शाया गया है। उस सींग को भविष्यवाणी में भ्रष्ट बताया गया है, क्योंकि वह पहले पुरुष के रूप में, फिर स्त्री के रूप में, फिर पुरुष और फिर स्त्री के रूप में प्रकट होता है।

स्त्री पुरुष का वस्त्र न पहने, और पुरुष भी स्त्री का वस्त्र न पहने; क्योंकि ऐसा करने वाले सब लोग तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये घृणित हैं। व्यवस्थाविवरण 22:5.

मूर्तिपूजक रोम के छोटे सींग का पुंलिंग प्रकटन पद 9 और 11 में मिलता है, जबकि पापाई रोम के छोटे सींग का स्त्रीलिंग प्रकटन पद 10 और 12 में मिलता है। छोटे सींग का लिंग, मूल पाठ के स्तर पर दानिय्येल के शब्दों पर विचार करने से पहचाना जाता है; यह ऐसी बात थी जिसे मिलर देख नहीं सकता था, क्योंकि वह केवल कूडन का कॉनकॉर्डेंस उपयोग करता था, और कूडन का कॉनकॉर्डेंस मूल भाषा के बारे में कोई जानकारी नहीं देता। इन चार पदों में लिंगों की अदला-बदली को किंग जेम्स बाइबल के अनुवादकों ने पहचाना था, और उन्होंने उस खंड में लिंगभेद को बनाए भी रखा है, बशर्ते आपको पता हो कि क्या देखना है।

अनुवादकों ने आयत 9 से 12 के बीच 'छोटे सींग' के पुंलिंग और स्त्रीलिंग के भेद को पहचाना, और इस भेद को "it" शब्द द्वारा दर्शाया। "it" शब्द का प्रयोग 'छोटे सींग' के स्त्रीलिंग रूप में होने पर किया गया है। दानिय्येल अध्याय 8, पद 10 देखें:

और वह इतना बढ़ा कि स्वर्ग की सेना तक पहुँच गया; और उसने उस सेना के कुछ जनों और कुछ सितारों को भी पृथ्वी पर गिरा दिया, और उन पर पाँव रखकर रौंद डाला। दानिय्येल 8:10.

यह "अत्यन्त महान हो गया," और "उसने गिरा दिया," इस प्रकार छोटे सींग की पहचान स्त्री के रूप में होती है। बारहवां पद कहता है:

और अधर्म के कारण नित्य के बलिदान के विरुद्ध उसे एक सेना दे दी गई, और उसने सत्य को भूमि पर गिरा दिया; और जो कुछ वह करता था, उसमें वह सफल हुआ। दानिय्येल 8:12.

बारहवें पद में "him" शब्द जोड़ दिया गया है, और यह "छोटे सींग" का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता; क्योंकि उस पद में "छोटे सींग" की दो बार पहचान "it" के रूप में की गई है, जो स्त्रीलिंग का द्योतक है। अनुवादकों ने स्पष्ट रूप से दानिय्येल के लिंग-भेद को पहचाना, पर वे इस बारे में निश्चय नहीं थे कि दानिय्येल का आशय क्या था, और उन्होंने तिरछे (इटैलिक) अक्षरों में "him" शब्द जोड़कर उस पद में "छोटे सींग" को पुल्लिंग बनाने का प्रयास किया, परंतु यह दानिय्येल के वास्तविक शब्दों से समर्थित नहीं होता। उनके शब्द "छोटे सींग" को स्त्रीलिंग और "it" के रूप में पहचानते हैं: "it" (वही स्त्रीलिंग छोटा सींग) ने सत्य को भूमि पर पटक दिया, और "it" (वही स्त्रीलिंग छोटा सींग) ने कार्य किया और समृद्ध हुई।

नौवें पद में, 'एक छोटा सींग' वाक्यांश पुल्लिंग में है और मूर्तिपूजक रोम का प्रतिनिधित्व करता है। यह उन 'चार पवनों' में से एक से आया, जिनमें यूनानी साम्राज्य विभाजित हो गया था। उस पद में, इतिहास के अनुरूप, मूर्तिपूजक रोम ने पृथ्वी के सिंहासन पर अपना स्थान ग्रहण करते समय तीन भौगोलिक क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की।

और उनमें से एक से एक छोटा-सा सींग निकला, जो दक्षिण की ओर, पूर्व की ओर और शोभायमान देश की ओर अत्यन्त बड़ा होता गया। दानिय्येल 8:9.

ग्यारहवें पद में (जो 'the daily' पर विवाद के प्रमुख रणक्षेत्रों में से एक है), छोटा सींग 'he', 'him' और 'his' के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

हाँ, उसने अपने आप को सेनाओं के प्रधान तक महान बना लिया, और उसके द्वारा नित्यबलि छीन ली गई, और उसके पवित्रस्थान का स्थान गिरा दिया गया। दानिय्येल 8:11.

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

"परमेश्वर के वचन में प्रत्येक सिद्धांत का अपना स्थान है, प्रत्येक तथ्य का अपना महत्त्व है। और संपूर्ण संरचना, रूप-रचना और क्रियान्वयन में, अपने रचयिता की गवाही देती है। ऐसी संरचना की कल्पना या निर्माण अनन्त के अतिरिक्त किसी भी मन द्वारा नहीं किया जा सकता था।" शिक्षा, 123.